मैं बंजारा श्याम | by Rajendra Thaku

मैं बंजारा श्याम का घूमू देश प्रदेश
मेरे साथ साथ में हर दम चलता है खाटू नरेश

एक झोला कंधे पे जिसमे श्याम भजन की पौथी है
इस पौथी में श्याम नाम के कितने हीरे मोती है
जब श्याम दीवाने मिलते उन्हें करता हूँ मैं पेश

आज यहाँ कल वहां ठिकाना इस नगरी कभी उस नगरी
जाऊं जहाँ वहीँ मिलती है श्याम की बगिया हरी भरी
जो श्याम शरण में रहते उन्हें नहीं कोई कलेश

नित नया दरबार लगाकर मिलता श्याम सलोना है
नए नए रूपों में मुझमे करता जादू टोना है
मुझको दर्शन देता है वो बदल बदल कर भेष

जीवन में रंग भरने वाले कारीगर को क्या दूँ मैं
दिल भी इसका जां भी इसकी इसके लिये क्या त्यागु मैं
बिन्नू पे दृष्टि दया की ये रखता नित्य हमेश

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%ac%e0%a4%82%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-rajendra-thaku/